अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०० ०१७

संस्कार-संस्कृति चेतना कार्यक्रम

मारवाड़ी-कौड़ी स करोड़पति की गाथा...

(पूर्वजा की ठेठ बातां की संगीतमय प्रस्तुति)

धोरां री रेत को साथ म थो सोनो / मोठ बाजरी को थो आपणो खाणो-पिणो
पिलो चुनड़ी को पहनावो लागतो घणो ही सोहणो / हिल-मिल कर रहता सब, भरा कुटुम्ब मे आवतो पावणो
ढोला मारु री प्रीत थी आपणी, केसरिया थी पंचरगी पाग / कौड़ी थी अंटी म, पर खेल ग्या करोडा म
बाकी बातां सुण मीनख तू जाग सके तो जाग।

घने मान सुं,

म्हारा घणा मानीजता स्वजन,

आपणे पूर्वजा को तौर तरिको, जीवन जीने की शैली, साहुकारी को व्यापार, सदा दान दायजा को भामाशाही स्वभाव, मान-सम्मान और बातां को पक्कापन ओर बोल्या की धार, आपा सब वर्तमान जीवन की आपाधापी में भूल चुक्या हां। पूर्वजा को साधारण सीमित साधन म असाधारण जीवन यापन की धरोहर न स्मरण करने क वास्ते एक सार्थक प्रयास।

प्रस्तुति : श्री श्रीनिवास जी शर्मा 'श्रीजी'

पलक पावड़ा बिछाता, स्वागत न आतुर

स्थान : **भारतीय भाषा परिषद** (३६ ए, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-७०० ०१७)

दिनांक : ३ फरवरी २०२४ (शनिवार), समय : सायं ५.३० बजे से

शिव कुमार लोहिया	कैलाशपति तोदी	संदीप गर्ग	राजेश कुमार अग्रवाल
राष्ट्रीय अध्यक्ष	*राष्ट्रीय महामंत्री*	*चेयरमैन*	*संयोजक*
		संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति	*संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति*

नोट : कलेवा-सायं ५.३०, कार्यक्रम-सायं ६ बजे से

श्री श्रीनिवास जी शर्मा 'श्रीजी'

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ओज-शैली वाणी का वक्ता एवं गीता, श्री मद्भागवत, रामायण (वाल्मीकि, तुलसीकृत), शिवपुराण, नानी बाई रो मायरो इत्यादि का विद्वान एवं सामाजिक एवं सामयिक विषया पर आपकी विशेष पकड़ क साग विशेष समयानुकूल टिप्पणी एवं बेबाक विचार राखण वाला **श्री श्रीनिवास जी शर्मा 'श्रीजी'** आज समाज के लिए एक धरोहर हैं।

श्री 'श्रीजी' की आपां मारवाडिया की गुढ़ बातां पर विशेष पकड़ है। आन सुननो एवं संगीतमय स्वरबद्ध प्रस्तुति को आनंद लेणो एक सुखद अनुभूति प्रदान कर है।